



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 18 जून, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

- विषय: (i) इस हफ्ते पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है।
(ii) 20 जून तक विदर्भ और तेलंगाना के कुछ इलाकों में और आज, 18 जून 2026 को तटीय आंध्र प्रदेश में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 18°N/60°E, 18°N/65°E, 18°N/70°E, हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राचलम, कोरापुट, फूलबनी, रांची, जमुई, मुजफ्फरपुर और 28.3°N/83°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 4-5 दिनों के दौरान तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों तथा छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।

आज, 18 जून 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- ❖ सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल, गुजरात क्षेत्र, तमिलनाडु और केरल में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, मेघालय, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में कुछ जगहों पर 80-140 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ जगहों पर हवा की रफ्तार 60-80 किमी/घंटा रही; और ओडिशा, बिहार, मध्य महाराष्ट्र, कच्छ, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, कोंकण, सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और मेघालय में कुछ जगहों पर हवा की रफ्तार 40-60 किमी/घंटा रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, विदर्भ और तेलंगाना में कुछ जगहों पर लू (हीटवेव) जैसी स्थिति रही।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हुई।

आज सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (17-06-2026 तक): कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात राज्य, झारखंड, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिमी ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, विदर्भ में दिन/अधिकतम तापमान 40-43°C के बीच था, और देश के बाकी हिस्सों में यह 40°C से कम था। सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 45.0°C प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (17-06-2026 तक): कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा और तेलंगाना में कई जगहों पर; मध्य महाराष्ट्र में ज़्यादातर जगहों पर; विदर्भ, झारखंड, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (> 5.1°C) रहा। छत्तीसगढ़ में कई जगहों पर; ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश और तटीय कर्नाटक में

कुछ जगहों पर; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा। लक्षद्वीप में कई जगहों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में ज़्यादातर जगहों पर; पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और केरल और माहे में कुछ जगहों पर सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। पश्चिमी राजस्थान में कुछ जगहों पर; मिजोरम में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) रहा; पूर्वी राजस्थान में कई जगहों पर; असम और मेघालय में कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा।

- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (18-06-2026 तक) कोंकण, मराठवाड़ा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, बिहार और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) है; उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) है; और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या सामान्य के आस-पास है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ मौसमी ट्रफ़ निचले क्षोभमंडल स्तर पर पंजाब से बिहार तक चलती है।
- ❖ एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल स्तर पर गर्त के रूप में मोटे तौर पर लॉन्ग के साथ चलता है। अक्षांश के उत्तर में 67°E. 28° उ.
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और निचले क्षोभमंडल स्तर पर आसपास के क्षेत्र पर स्थित है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश से पूर्व मध्य अरब सागर तक एक ट्रफ़ रेखा बनी हुई है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ट्रफ़ रेखा पूर्वी विदर्भ से तमिलनाडु तक बनी हुई है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडल स्तर पर असम के मध्य भागों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण पूर्व अरब सागर और निचले क्षोभमंडल स्तर पर निकटवर्ती केरल पर स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 8-22 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 20-21 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश।
- ❖ 23-24 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में छिटपुट वर्षा की संभावना; हिमाचल प्रदेश 18-19 जून के दौरान और 22-24 जून के दौरान; 18-24 जून के दौरान उत्तराखंड।
- ❖ 18-22 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, पश्चिम राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 18-19 जून के दौरान और 24 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश।
- ❖ 18-22 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में छिटपुट आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 18-19 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश; 18-20 जून के दौरान उत्तराखंड, 20-22 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है।
- ❖ 18 से 22 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में छिटपुट आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 21-22 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान।
- ❖ 18 जून को पश्चिमी राजस्थान में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है; 18-19 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान।
- ❖ 19-20 जून के दौरान पश्चिम राजस्थान में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है; 20 जून को पूर्वी राजस्थान।

- ❖ 18-20 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना; 18-19 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड ।
- ❖ 18-20 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना; 18 जून को पूर्वी राजस्थान।

मध्य भारत:

- ❖ 18-24 जून के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिम मध्य प्रदेश में छिटपुट से लेकर छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 20-22 जून के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में छिटपुट आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 18-22 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ; 21-22 जून के दौरान छत्तीसगढ़।
- ❖ 18-20 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18-19 जून के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 18-24 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 20-24 जून के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल; 19-20 जून के दौरान ओडिशा।
- ❖ 18-19 जून के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 18-24 जून के दौरान बिहार और झारखंड; 18 जून को और 21-24 जून के दौरान ओडिशा।
- ❖ 18-22 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगेय पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 21-24 जून के दौरान झारखंड; 20-24 जून के दौरान बिहार; 20-22 जून के दौरान ओडिशा।
- ❖ 20 जून और 24 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 18-20 जून के दौरान बिहार में, 18-19 जून के दौरान और 21-23 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 18-19 जून के दौरान बिहार में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है।
- ❖ 18-20 जून के दौरान झारखंड में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है; 18-19 जून के दौरान ओडिशा।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 18 से 24 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 से 22 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18 से 23 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; असम और मेघालय में 18 जून और 23-24 जून को भारी बारिश हो सकती है, साथ ही 19-22 जून के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 18 से 23 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; 18 से 24 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 18 से 21 जून के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में बारिश हो सकती है।
- ❖ 24 जून को कोंकण और गोवा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18-19 जून और 22-24 जून के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 18-19 जून के दौरान मराठवाड़ा में; 18 जून को गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 18 जून और 20-24 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18 जून को लक्षद्वीप में; 18-21 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 18-20 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 18-22 जून और 24 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 18-24 जून के दौरान रायलसीमा और तेलंगाना में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। □ 19 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18-24 जून के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में; 19-24 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 22-24 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 21-24 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 23 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18-20 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में; 18-19 जून के दौरान केरल और माहे में; 18-22 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 21-22 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 20 जून को केरल और माहे में; 18-24 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; और 18-22 जून के दौरान रायलसीमा और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 18-19 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 21-23 जून के दौरान केरल और माहे में; 18 जून और 21-24 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; 21-22 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 18 जून और 21-22 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 18 जून को केरल और माहे में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 20-22 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में सतह पर तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 18 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा। □ मध्य भारत में 20 जून तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ पूर्वी भारत में 18 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है, 20 जून तक इसमें धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आएगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 24 जून, 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

लू (Heat Wave) और गर्म व उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 18 जून को बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा ओडिशा के कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 18-24 जून के दौरान; मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तेलंगाना और विदर्भ में 18-20 जून के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19-24 जून के दौरान लू चल सकती है।
- ❖ गंगेय पश्चिम बंगाल में 18-19 जून के दौरान; ओडिशा में 18-20 जून के दौरान; कोंकण और गोवा में 18-21 जून के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में 19-20 जून के दौरान गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 18 जून से 23 जून, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 18 से 23 जून के दौरान मन्नार की खाड़ी के ऊपर। 19 से 22 जून के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश में; 19 से 22 जून के दौरान ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल के तटों के पास और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में; 18 जून को उत्तर-पूर्वी और पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी अंडमान सागर से सटे दक्षिणी म्यांमार के तटों पर।
- ❖ अरब सागर: 18 से 23 जून के दौरान दक्षिण-पश्चिमी और पश्चिमी-मध्य अरब सागर के हिस्सों से सटे सोमालिया तट के पास और उससे दूर; 18 से 23 जून के दौरान उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 18 से 21 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: जयबीरपारा टी.ई. 18;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: बालासिनोर (जिला महीसागर) 15;
- ❖ केरल: उरुमी (जिला कोझिकोड) 13;
- ❖ तमिलनाडु: अरतावाडी, तिरुवन्नामलाई जिला 12;
- ❖ पूर्वी राजस्थान: सारारा (उदयपुर) 10;
- ❖ तेलंगाना: चिंताकम (जिला खम्मम) 9;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: वेपाडा (जिला विजयनगरम) 9;
- ❖ मेघालय: शेल्ला (ईकेएच) 7।

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ जम्मू-कश्मीर: पुंछ - 137; शोपियां - 44;
- ❖ झारखंड: खूंटी - 80;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: नेरी एडब्ल्यूएस - 63; सुंदरनगर केवीके - 43;
- ❖ उत्तराखंड: मटेला_केवीके - 63; चमोली - 43; रानीखेत - 41;
- ❖ ओडिशा: झारसुगुडा - 59;
- ❖ बिहार: अर्बाबारी - 57;
- ❖ मेघालय: अम्पति एडब्ल्यूएस 56;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: बारामती (पुणे) - 50; दोंडाइचा (धुले) - 50; कलवान (नासिक) - 46;
- ❖ कच्छ: खावड़ा 50;
- ❖ छत्तीसगढ़: सुकमा 46, रायपुर 41;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम - 44;
- ❖ कोंकण: कर्जत (रायगढ़) - 44;
- ❖ उप-हिमालय पश्चिम बंगाल: पुंडीबारी - 41।

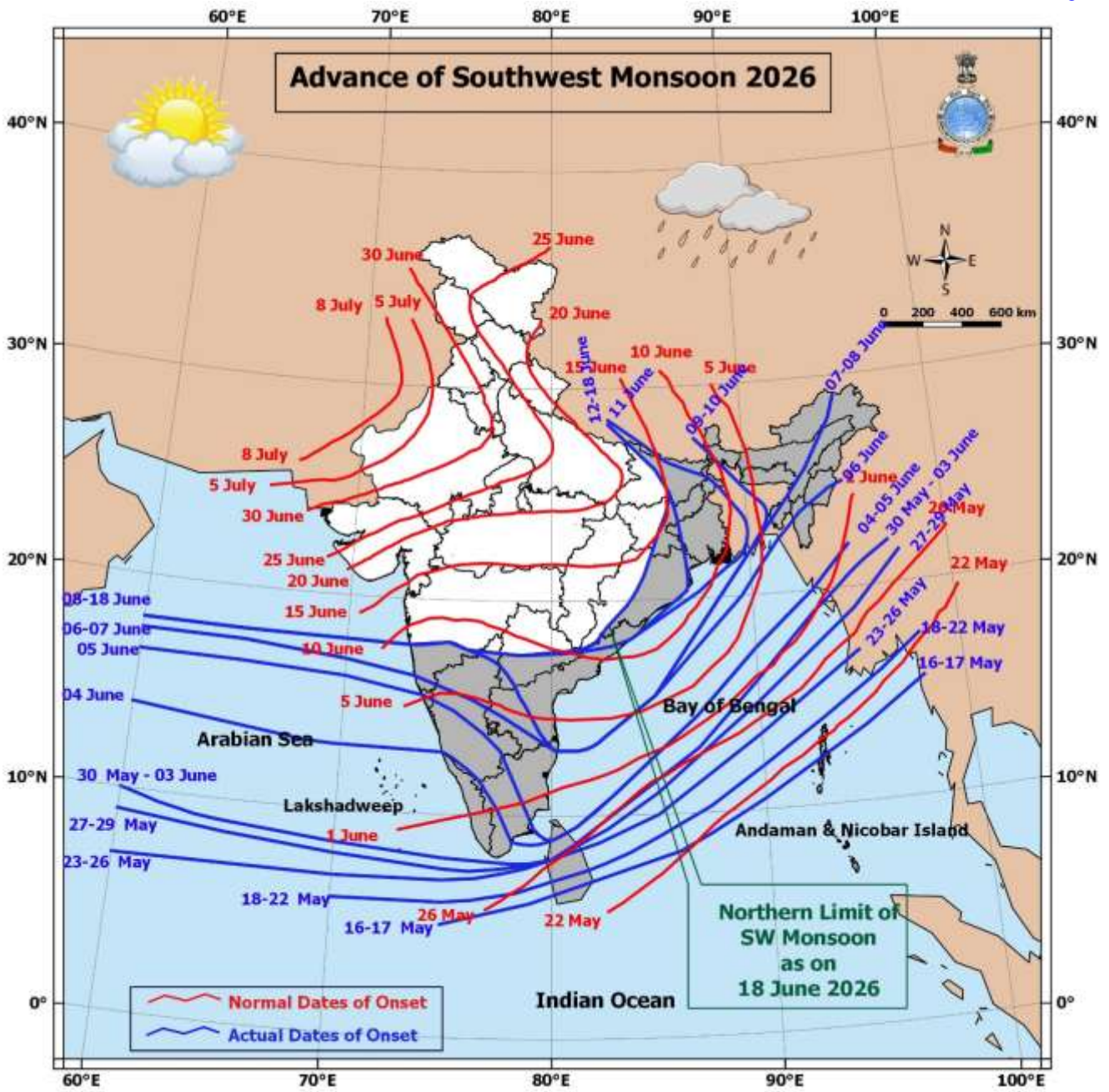
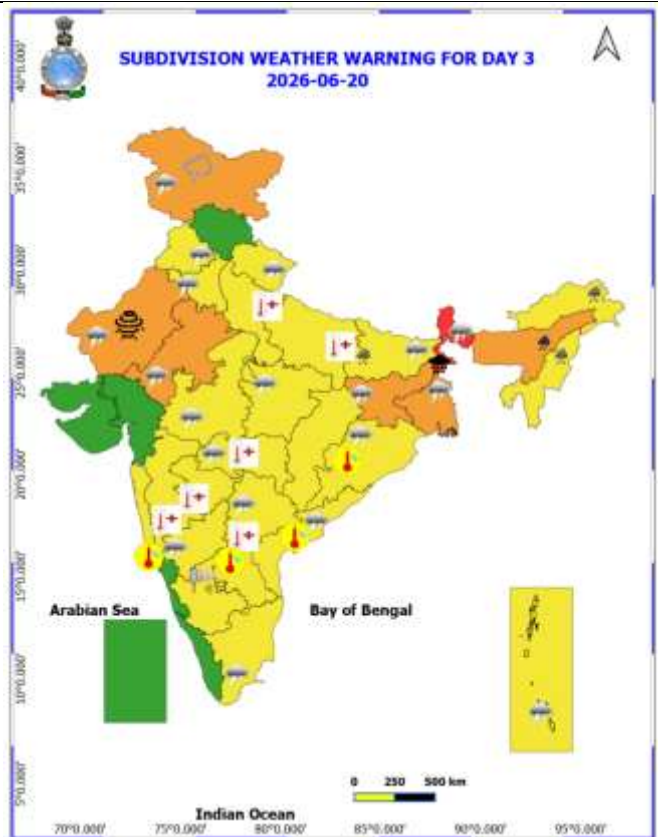
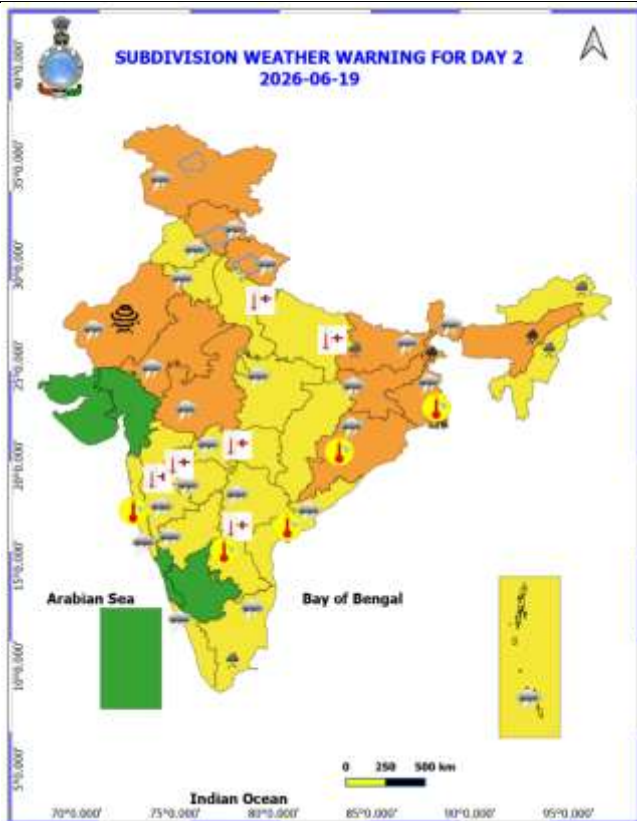
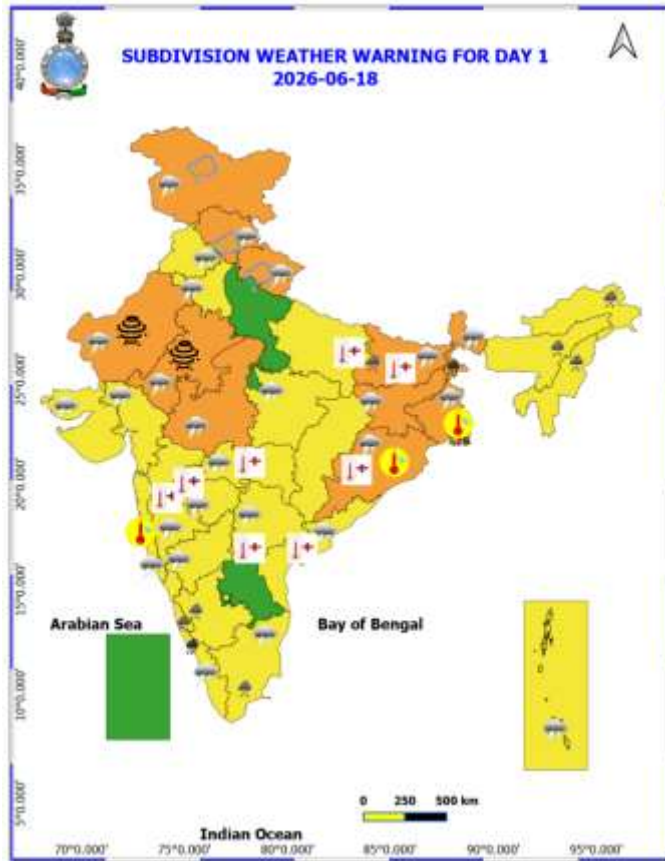
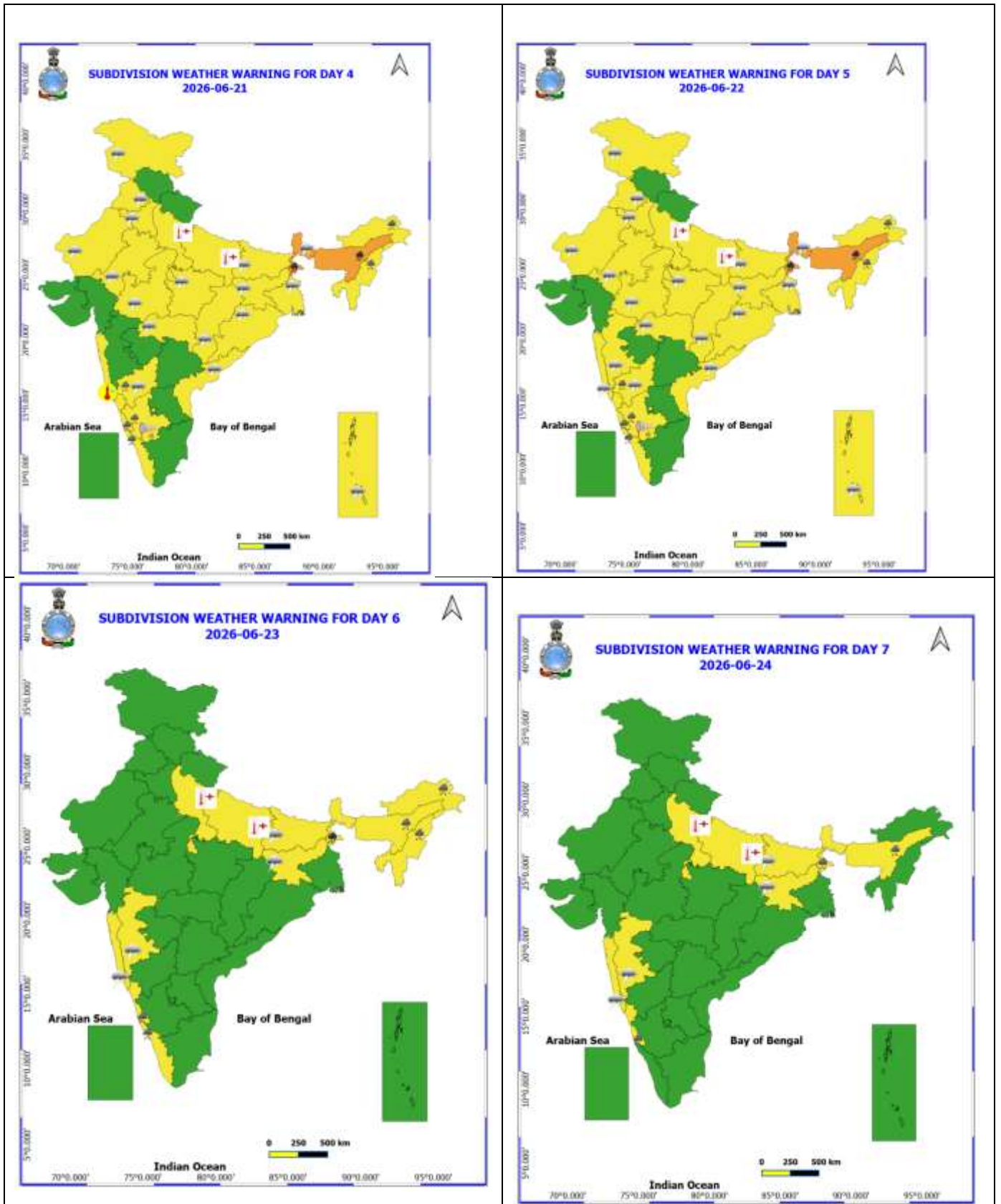


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Jun	19- Jun	20- Jun	21- Jun	22- Jun	23- Jun	24- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

18 से 21 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान⁹

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4-5°C तक की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 37-39°C और न्यूनतम तापमान 26-28°C के बीच रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और बाकी जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और उत्तर-पश्चिम दिशा से 16 किमी/घंटा तक की गति से ज़मीनी हवाएँ चलीं। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने और पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से ज़मीनी हवाएँ चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

18.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा और दोपहर के बाद आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली/धूल भरी आंधी और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 39°C से 41°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से ज़मीनी हवाएँ चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

19.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। सुबह/दोपहर के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली/धूल भरी आंधी और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

20.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/धूल भरी आंधी और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

21.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.5°C से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी रफ़्तार 25 kmph तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार कम होकर 20 kmph तक रह जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार कम होकर 18 kmph तक रह जाएगी।

बिजली/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ आंधी-तूफान और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियों का टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियों का गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियां गिरने से बिजली और संचार लाइनों को कम या ज्यादा नुकसान, तेज़ हवाओं से कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान, हल्की चीज़ों का उड़ जाना।
- जनता की सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम की जानकारी और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर रहें और गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें, खिड़कियां और दरवाज़े अच्छी तरह बंद करें, सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुली जगहों से बचें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों के सहारे खड़े हों, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, पानी वाली जगहों से तुरंत बाहर निकल जाएं, बिजली के सुचालक (करंट ले जाने वाली) चीज़ों से दूर रहें।

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और जान-माल के नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा सावधानियों का पालन करें।

बिजली, तेज़ हवाओं/झोंके वाली हवाओं और ओलावृष्टि के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 18 जून को पश्चिमी राजस्थान; 18-19 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान; और 18-19 जून के दौरान बिहार में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 19-20 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 20 जून को पूर्वी राजस्थान; 18-19 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 18-20 जून के दौरान झारखंड; और 18-19 जून के दौरान ओडिशा में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 18-20 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद; और 18-19 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 18-19 जून और 21-23 जून के दौरान सब-हिमालयन पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 19-22 जून के दौरान असम और मेघालय में; और 18 जून को केरल और माहे में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 18 जून को बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और ओडिशा के कुछ इलाकों में; 18-24 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 18-20 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तेलंगाना और विदर्भ में; और 19-24 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तेज़ तापमान और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में अधिक है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे- शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है।
- ❖ धूप में निकलने से बचें और खुद को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ORS या घर पर बने पेय पदार्थ (जैसे- लस्सी, तोरानी/चावल का पानी, नींबू पानी, छाछ आदि) का सेवन करें।
- ❖ लू (हीट वेव) की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 5-6 जून; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून; पश्चिमी राजस्थान में 8-11 जून; और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून के दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।
- ❖ अलर्ट वाले क्षेत्र

- ❖ ज़्यादा तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में लू से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखने की ज़्यादा संभावना।
- ❖ कमज़ोर लोगों (जैसे शिशु, बुजुर्ग, और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) की सेहत को लेकर ज़्यादा चिंता।
- ❖ धूप में जाने से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में, फलों के बागानों और सब्जीवर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें। जलभराव से बचाव हेतु खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- असम में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी बुवाई न करें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- मेघालय में, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागों से बारिश के अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, मूंग की फलियों की कटाई करें और दानों को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल से ढक दें या सूखी जगह पर रखें। धान और सब्जियों की कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें। जूट, अदरक, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों और खरीफ धान व सब्जियों की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंडालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- तमिलनाडु में, धान, बाजरा (कंबू), मूंगफली, गन्ना, केला और सब्जियों में जल जमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, विदर्भ, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में, सब्जियों की फसलों और फलों के बागानों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्टिचिंग करें। फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

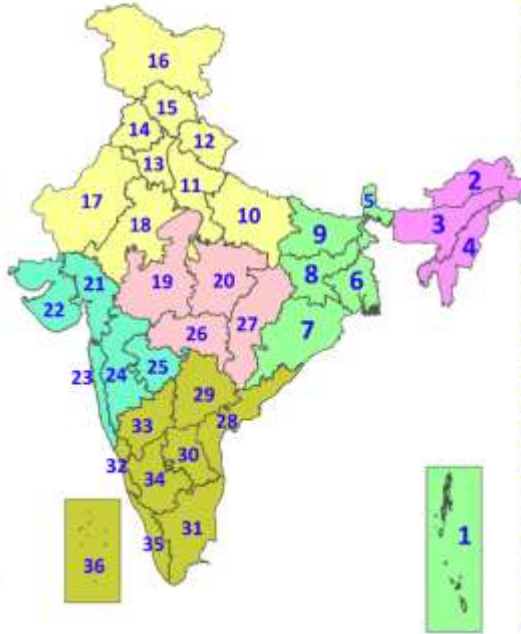
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)